

# Inhaltsverzeichnis

|            |   |    |
|------------|---|----|
| <b>I</b>   | <b>Annäherung</b> .....   | 21 |
| <b>II</b>  | <b>Vorklärungen</b> .....   | 23 |
| <b>1</b>   | <b>Sprechen als Handeln</b> .....                                     | 23 |
| <b>2</b>   | <b>Die Textsorte Märchen</b> .....                                    | 27 |
| 2.1        | Begriffsklärung .....   | 27 |
| 2.2        | Entstehungsgeschichte .....   | 28 |
| 2.3        | Poetologischer Kontext .....  | 30 |
| <b>3</b>   | <b>Mündlichkeit und Schriftlichkeit</b> .....                         | 32 |
| <b>4</b>   | <b>Das 19. Jahrhundert</b> .....                                      | 37 |
| 4.1        | Gesellschaftspolitische Umbrüche .....                                | 37 |
| 4.2        | Sprachgeschichtliche Entwicklungen .....                              | 38 |
| 4.3        | Lesen als Kulturfertigkeit .....                                      | 41 |
| <b>III</b> | <b>Untersuchungskorpus</b> .....                                      | 45 |
| <b>1</b>   | <b>Die „Kinder- und Hausmärchen“ der Brüder Grimm</b> .....           | 45 |
| 1.1        | Jacob und Wilhelm Grimm und die Konstituierung des Bürgertums ...     | 45 |
| 1.2        | Die Genese der Märchentexte .....                                     | 49 |
| <b>2</b>   | <b>„Sitten und Sagen“ und Nachlass des Franz von Schönwerth</b> ..... | 52 |
| 2.1        | Biographische Skizze und regionaler Hintergrund .....                 | 52 |
| 2.2        | Das Forschungsinteresse und die Sammeltätigkeit .....                 | 56 |
| <b>IV</b>  | <b>Forschungsfragen</b> .....   | 65 |

|          |   |    |
|----------|---|----|
| <b>V</b> | <b>Methodik</b> .....   | 69 |
| <b>1</b> | <b>Ansätze einer kulturwissenschaftlich orientierten Linguistik</b> ..... | 69 |
| <b>2</b> | <b>Vorgehensweise</b> .....   | 70 |
| 2.1      | Definition ‚Redeszene‘ .....  | 72 |
| 2.2      | Erzählerrede und Figurenrede .....  | 73 |
| <b>3</b> | <b>Analyseraster</b> .....  | 74 |
| 3.1      | Makrosituation .....  | 74 |
| 3.1.1    | Alter, Geschlecht und sozialer Status der sprechenden Person .....        | 74 |
| 3.1.2    | Arten von Redewiedergaben .....   | 75 |
| 3.1.2.1  | Direkte Wiedergabe .....  | 75 |
| 3.1.2.2  | Indirekte Wiedergabe .....  | 76 |
| 3.1.2.3  | Erzählte Wiedergabe .....   | 77 |
| 3.1.3    | Sprechhandlungsabsicht .....  | 78 |
| 3.1.3.1  | Verba dicendi, cogitandi und scribendi .....                              | 78 |
| 3.1.3.2  | Paraverbalität (Lautstärke der Stimme, Weinen) .....                      | 78 |
| 3.1.4    | Gebrauch der Tempora .....  | 79 |
| 3.1.5    | Deutung der gewählten Darstellungsmittel .....                            | 79 |
| 3.2      | Dialogizität .....  | 80 |
| 3.2.1    | ‚Echte‘ Dialoge und Gesprächssequenzen .....                              | 81 |
| 3.2.2    | Gesprächskohärenz .....   | 81 |
| 3.2.3    | Klassifikation von Gesprächsschritten (initiiierend, respondierend) ..... | 83 |
| 3.2.4    | Handlungsdimensionen (direktiv, narrativ, diskursiv) .....                | 84 |
| 3.3      | Mikrosituation .....  | 85 |
| 3.3.1    | Begrüßungs- und Abschiedsformeln, Formen der Anrede .....                 | 87 |
| 3.3.2    | Diskursmarker .....   | 88 |
| 3.3.2.1  | Die Gesprächspartikeln <i>nun</i> und <i>aber</i> .....                   | 89 |
| 3.3.2.2  | Die Antwortpartikeln <i>ja</i> und <i>nein</i> .....                      | 90 |
| 3.3.2.3  | Die Interjektionen <i>ach</i> und <i>ei</i> .....                         | 90 |
| 3.3.3    | Verbmodi .....  | 92 |
| 3.3.4    | Modalpartikeln .....  | 92 |

|           |   |           |
|-----------|---|-----------|
| 3.3.4.1   | Die Modalpartikeln <i>ja</i> und <i>doch</i> .....                  | 93        |
| 3.3.4.2   | Die Modalpartikeln <i>nur</i> und <i>denn</i> .....                 | 94        |
| 3.3.5     | Satzarten und -formen, Topologie und Ellipsen .....                 | 95        |
| 3.3.6     | Feste Wendungen .....   | 96        |
| 3.3.7     | Interpretation hinsichtlich der Sprechereinstellung .....           | 96        |
| <b>VI</b> | <b>Analysen</b> .....   | <b>99</b> |
| <b>1</b>  | <b>Das (tapfere) Schneiderlein</b> .....                            | <b>99</b> |
| 1.1       | Historisch-narratologischer Hintergrund .....                       | 99        |
| 1.2       | „Das tapfere Schneiderlein“ der Brüder Grimm .....                  | 100       |
| 1.2.1     | Makrosituation .....  | 102       |
| 1.2.1.1   | KHM 1812 .....  | 102       |
| 1.2.1.2   | KHM 1857 .....  | 105       |
| 1.2.1.3   | Zwischenfazit .....   | 109       |
| 1.2.2     | Dialogizität .....  | 110       |
| 1.2.2.1   | KHM 1812 .....  | 110       |
| 1.2.2.2   | KHM 1857 .....  | 110       |
| 1.2.2.3   | Zwischenfazit .....   | 112       |
| 1.2.3     | Mikrosituation .....  | 113       |
| 1.2.3.1   | KHM 1812 .....  | 113       |
| 1.2.3.2   | KHM 1857 .....  | 113       |
| 1.2.3.3   | Zwischenfazit .....   | 115       |
| 1.3       | Das Märlein vom starken Schneiderlein bei Franz v. Schönwerth ..... | 115       |
| 1.3.1     | Makrosituation .....  | 115       |
| 1.3.1.1   | Textvarianten .....   | 115       |
| 1.3.1.2   | Zwischenfazit .....   | 121       |
| 1.3.2     | Dialogizität .....  | 121       |
| 1.3.2.1   | Textvarianten .....   | 121       |
| 1.3.2.2   | Zwischenfazit .....   | 123       |
| 1.3.1     | Mikrosituation .....  | 123       |

|          |   |            |
|----------|---|------------|
| 1.3.1.1  | Textvarianten .....                               | 123        |
| 1.3.1.2  | Zwischenfazit .....                               | 125        |
| 1.4      | Fazit .....                                       | 125        |
| <b>2</b> | <b>Daumerlings Wanderschaft .....</b>             | <b>129</b> |
| 2.1      | Historisch-narratologischer Hintergrund .....     | 129        |
| 2.2      | „Daumerlings Wanderschaft“ der Brüder Grimm ..... | 130        |
| 2.2.1    | Makrosituation .....                              | 131        |
| 2.2.1.1  | Handschriftliche Urfassung 1810 .....             | 131        |
| 2.2.1.2  | KHM 1812 .....                                    | 132        |
| 2.2.1.3  | KHM 1857 .....                                    | 134        |
| 2.2.1.4  | Zwischenfazit .....                               | 136        |
| 2.2.2    | Dialogizität .....                                | 137        |
| 2.2.2.1  | Handschriftliche Urfassung 1810 .....             | 137        |
| 2.2.2.2  | KHM 1812 .....                                    | 137        |
| 2.2.2.3  | KHM 1857 .....                                    | 138        |
| 2.2.2.4  | Zwischenfazit .....                               | 139        |
| 2.2.3    | Mikrosituation .....                              | 139        |
| 2.2.3.1  | Handschriftliche Urfassung 1810 .....             | 139        |
| 2.2.3.2  | KHM 1812 .....                                    | 139        |
| 2.2.3.3  | KHM 1857 .....                                    | 141        |
| 2.2.3.4  | Zwischenfazit .....                               | 143        |
| 2.3      | „Das Daumennickerl“ bei Franz v. Schönwerth ..... | 143        |
| 2.3.1    | Makrosituation .....                              | 143        |
| 2.3.1.1  | Textvarianten .....                               | 143        |
| 2.3.1.2  | Zwischenfazit .....                               | 150        |
| 2.3.2    | Dialogizität .....                                | 150        |
| 2.3.2.1  | Textvarianten .....                               | 150        |
| 2.3.2.2  | Zwischenfazit .....                               | 153        |
| 2.3.3    | Mikrosituation .....                              | 153        |
| 2.3.3.1  | Textvarianten .....                               | 153        |
| 2.3.3.2  | Zwischenfazit .....                               | 156        |
| 2.4      | Fazit .....                                       | 156        |

|          |  |     |
|----------|--|-----|
| <b>3</b> | <b>Mädchen ohne Hände</b> .....                          | 160 |
| 3.1      | Historisch-narratologischer Hintergrund .....            | 160 |
| 3.2      | „(Das) Mädchen ohne Hände“ der Brüder Grimm .....        | 161 |
| 3.2.1    | Makrosituation .....                                     | 161 |
| 3.2.1.1  | KHM 1812 .....   | 161 |
| 3.2.1.2  | KHM 1857 .....   | 163 |
| 3.2.1.3  | Zwischenfazit .....                                      | 166 |
| 3.2.2    | Dialogizität .....                                       | 167 |
| 3.2.2.1  | KHM 1812 .....   | 167 |
| 3.2.2.2  | KHM 1857 .....   | 168 |
| 3.2.2.3  | Zwischenfazit .....                                      | 168 |
| 3.2.3    | Mikrosituation .....                                     | 169 |
| 3.2.3.1  | KHM 1812 .....   | 169 |
| 3.2.3.2  | KHM 1857 .....   | 171 |
| 3.2.3.3  | Zwischenfazit .....                                      | 173 |
| 3.3      | „Die böse (Stief-)Mutter“ bei Franz v. Schönwerth .....  | 173 |
| 3.3.1    | Makrosituation .....                                     | 173 |
| 3.3.1.1  | Textvarianten .....                                      | 173 |
| 3.3.1.2  | Zwischenfazit .....                                      | 180 |
| 3.3.2    | Dialogizität .....                                       | 181 |
| 3.3.2.1  | Textvarianten .....                                      | 181 |
| 3.3.2.2  | Zwischenfazit .....                                      | 182 |
| 3.3.3    | Mikrosituation .....                                     | 183 |
| 3.3.3.1  | Textvarianten .....                                      | 183 |
| 3.3.3.2  | Zwischenfazit .....                                      | 185 |
| 3.4      | Fazit .....  | 185 |
| <b>4</b> | <b>Mädchen sucht seine Brüder</b> .....                  | 190 |
| 4.1      | Historisch-narratologischer Hintergrund .....            | 190 |
| 4.2      | „Mädchen sucht seine Brüder“ bei den Brüdern Grimm ..... | 191 |
| 4.2.1    | Makrosituation .....                                     | 192 |
| 4.2.1.1  | KHM Nr. 25: Die drei (sieben) Raben .....                | 192 |
| 4.2.1.2  | KHM Nr. 9: Die zwölf Brüder .....                        | 195 |
| 4.2.1.3  | Zwischenfazit .....                                      | 198 |

|          |   |            |
|----------|---|------------|
| 4.2.2    | Dialogizität .....                                    | 199        |
| 4.2.2.1  | Die drei (sieben) Raben .....                         | 199        |
| 4.2.2.2  | Die zwölf Brüder .....                                | 199        |
| 4.2.2.3  | Zwischenfazit .....                                   | 200        |
| 4.2.3    | Mikrosituation .....                                  | 200        |
| 4.2.3.1  | Die drei (sieben) Raben .....                         | 200        |
| 4.2.3.2  | Die zwölf Brüder .....                                | 201        |
| 4.2.3.3  | Zwischenfazit .....                                   | 205        |
| 4.3      | „Die sieben Raben“ bei Franz v. Schönwerth .....      | 205        |
| 4.3.1    | Makrosituation .....                                  | 205        |
| 4.3.1.1  | Textvarianten .....                                   | 205        |
| 4.3.1.2  | Zwischenfazit .....                                   | 209        |
| 4.3.2    | Dialogizität .....                                    | 209        |
| 4.3.2.1  | Textvarianten .....                                   | 209        |
| 4.3.2.2  | Zwischenfazit .....                                   | 210        |
| 4.3.3    | Mikrosituation .....                                  | 210        |
| 4.3.3.1  | Textvarianten .....                                   | 210        |
| 4.3.3.2  | Zwischenfazit .....                                   | 213        |
| 4.4      | Fazit .....   | 213        |
| <b>5</b> | <b>Brüderchen und Schwesterchen .....</b>             | <b>218</b> |
| 5.1      | Historisch-narratologischer Hintergrund .....         | 218        |
| 5.2      | „Brüderchen und Schwesterchen“ der Brüder Grimm ..... | 218        |
| 5.2.1    | Makrosituation .....                                  | 219        |
| 5.2.1.1  | KHM 1812 .....  | 219        |
| 5.2.1.2  | KHM 1857 .....  | 221        |
| 5.2.1.3  | Zwischenfazit .....                                   | 223        |
| 5.2.2    | Dialogizität .....                                    | 224        |
| 5.2.2.1  | KHM 1812 .....  | 224        |
| 5.2.2.2  | KHM 1857 .....  | 225        |
| 5.2.2.3  | Zwischenfazit .....                                   | 226        |
| 5.2.3    | Mikrosituation .....                                  | 226        |
| 5.2.3.1  | KHM 1812 .....  | 226        |

|          |   |            |
|----------|---|------------|
| 5.2.3.2  | KHM 1857 .....  | 229        |
| 5.2.3.3  | Zwischenfazit .....   | 232        |
| 5.3      | Brüderchen und Schwesterchen bei Franz von Schönwerth ..... | 232        |
| 5.3.1    | Makrosituation .....  | 232        |
| 5.3.1.1  | Textvarianten .....   | 232        |
| 5.3.1.2  | Zwischenfazit .....   | 242        |
| 5.3.2    | Dialogizität .....  | 243        |
| 5.3.2.1  | Textvarianten .....   | 243        |
| 5.3.2.2  | Zwischenfazit .....   | 246        |
| 5.3.3    | Mikrosituation .....  | 246        |
| 5.3.3.1  | Textvarianten .....   | 246        |
| 5.3.3.2  | Zwischenfazit .....   | 252        |
| 5.4      | Fazit .....   | 252        |
| <b>6</b> | <b>Aschenputtel</b> .....                                   | <b>257</b> |
| 6.1      | Historisch-narratologischer Hintergrund .....               | 257        |
| 6.2      | „Aschenputtel“ der Brüder Grimm .....                       | 258        |
| 6.2.1    | Makrosituation .....  | 261        |
| 6.2.1.1  | KHM 1812 .....  | 261        |
| 6.2.1.2  | KHM 1857 .....  | 263        |
| 6.2.1.3  | Zwischenfazit .....   | 265        |
| 6.2.2    | Dialogizität .....  | 266        |
| 6.2.2.1  | KHM 1812 .....  | 266        |
| 6.2.2.2  | KHM 1857 .....  | 266        |
| 6.2.2.3  | Zwischenfazit .....   | 267        |
| 6.2.3    | Mikrosituation .....  | 267        |
| 6.2.3.1  | KHM 1812 .....  | 267        |
| 6.2.3.2  | KHM 1857 .....  | 269        |
| 6.2.3.3  | Zwischenfazit .....   | 271        |
| 6.3      | „Aschenflügel“ bei Franz v. Schönwerth .....                | 271        |
| 6.3.1    | Makrosituation .....  | 271        |
| 6.3.1.1  | Textvarianten .....   | 271        |
| 6.3.1.2  | Zwischenfazit .....   | 281        |

|             |   |            |
|-------------|---|------------|
| 6.3.2       | Dialogizität .....  | 283        |
| 6.3.2.1     | Textvarianten .....   | 283        |
| 6.3.2.2     | Zwischenfazit .....   | 285        |
| 6.3.3       | Mikrosituation .....  | 286        |
| 6.3.3.1     | Textvarianten .....   | 286        |
| 6.3.3.2     | Zwischenfazit .....   | 289        |
| 6.4         | Fazit .....   | 289        |
| <b>VII</b>  | <b>Auswertung</b> .....                                     | <b>297</b> |
| <b>1</b>    | <b>Makrosituation</b> .....                                 | <b>297</b> |
| 1.1         | Brüder Grimm: „Kinder- und Hausmärchen“ .....               | 297        |
| 1.2         | Franz von Schönwerth: „Sitten und Sagen“ und Nachlass ..... | 313        |
| <b>2</b>    | <b>Dialogizität</b> .....                                   | <b>325</b> |
| 2.1         | Brüder Grimm: „Kinder- und Hausmärchen“ .....               | 325        |
| 2.2         | Franz von Schönwerth: „Sitten und Sagen“ und Nachlass ..... | 329        |
| <b>3</b>    | <b>Mikrosituation</b> .....                                 | <b>332</b> |
| 3.1         | Brüder Grimm: „Kinder- und Hausmärchen“ .....               | 332        |
| 3.2         | Franz von Schönwerth: „Sitten und Sagen“ und Nachlass ..... | 335        |
| <b>4</b>    | <b>Syntaktische Herausstellungsphänomene</b> .....          | <b>341</b> |
| <b>5</b>    | <b>Zur Mehrfachfunktion von Anreden</b> .....               | <b>347</b> |
| <b>6</b>    | <b>Der perlokutionäre Effekt</b> .....                      | <b>350</b> |
| <b>VIII</b> | <b>Resümée</b> .....  | <b>361</b> |
| <b>IX</b>   | <b>Ausblick</b> .....                                       | <b>371</b> |
|             | <b>Tabellenverzeichnis</b> .....                            | <b>377</b> |

|                                    |            |
|------------------------------------|------------|
| Inhaltsverzeichnis                 | 19         |
| <b>Abbildungsverzeichnis</b> ..... | <b>379</b> |
| <b>Literaturverzeichnis</b> .....  | <b>385</b> |